SAMPLE CONTENT

हिंदी युवकभारती

बोर्ड की नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार

खुद घायल है वह पेड़
लेकिन क्या देखा नहीं तुमने
उसपर अब भी सुरक्षित
चहचहाते हुए चिड़िया के
बच्चों का घोंसला है
जी हाँ, सच तो यह है कि
पेड़ बहुत बड़ा हौसला है।

STD. XII

चंद्रभूषण शुक्ल
B.Ed., B.M.M.- Journalism

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे - ०४
द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तक पर आधारित

PERFECT
हिंदी युवकभारती
बारहवीं कक्षा

विशेषताएँ

- नवीन कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित
- प्रत्येक पाठ का परिच्छेद व पद्यांश में विभाजन
- विविध आकलन कृतियों का समावेश
- रसास्वादन की कृतियों का सविस्तार समावेश
- सभी लघूत्तरी प्रश्नों के सरल व सटीक उत्तरों का समावेश
- अधिकाधिक अभ्यास हेतु व्याकरण का प्रत्येक गद्य व पद्य में समावेश
- विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु स्वतंत्र भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग
- 'विशेष अध्ययन हेतु' व 'व्यावहारिक हिंदी' विभाग के सभी प्रश्नों के सटीक उत्तर
- ज्ञानवर्धन एवं मनोरंजन हेतु 'आओ जानें' व 'खेल-खेल में' कृतियों का समावेश
- मार्च 2022 की बोर्ड परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों का उत्तरों सहित समावेश
- फरवरी 2023 की बोर्ड कृतिपत्रिका का समावेश (Q. R. Code के माध्यम से उत्तरपत्रिका)

Sample Content

Printed at: **Print to Print,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 2541** P.O. No. 9292

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थियो!

बारहवीं कक्षा में आपका सहर्ष स्वागत है। शैक्षणिक यात्रा के इस नए पड़ाव पर मानसिक चिंता व चिंतन दोनों का बढ़ना स्वाभाविक है। शिक्षा की पारंपरिक पद्धतियों में परिवर्तन कर उसे आधुनिक स्वरूप में ढालने व शिक्षा को व्यावहारिक जगत से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षण मंडळ ने अद्ययावत पाठ्यपुस्तक का निर्माण किया है। इसके माध्यम से हिंदी भाषा के सामाजिक व साहित्यिक महत्त्व का प्रतिपादन करने के साथ ही रोजगार में हिंदी भाषा की भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाने का भी सफल प्रयास किया गया है। शिक्षण मंडळ के उठाए गए इस सराहनीय कदम से विद्यार्थियों के मन में हिंदी भाषा के प्रति रुचि व प्रेम बढ़ना स्वाभाविक है।

अद्ययावत पाठ्यपुस्तक को आधार बनाकर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी युवकभारती** बारहवीं कक्षा की मार्गदर्शक पुस्तिका का निर्माण किया गया है। विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता प्रबल करने अर्थात श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन में उन्हें दक्ष बनाना ही इस पुस्तिका का ध्येय है। यह पुस्तिका भाषा की जटिलता को दूर कर विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि निर्मित करने में सक्षम है। इसका मुख्य कारण पुस्तिका की सरल व सहज भाषा शैली है। भाषाई शिक्षा बोझिल न हो इसका विशेष ध्यान इस पुस्तिका में रखा गया है। इसके फलस्वरूप पाठ से संबंधित रोचक तथ्यों का यहाँ आवश्यकतानुसार सविस्तार वर्णन किया गया है। इससे पाठ की रोचकता और बढ़ जाती है। शिक्षा की वर्तमान पद्धति व उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए यहाँ जगह-जगह मनोरंजक मनोरंजक व उद्देश्यपूर्ण कृतियों का भी समावेश किया गया है। इससे न सिर्फ विद्यार्थियों का मनोरंजन होता है, बल्कि उनकी कल्पनाशीलता, सृजनशीलता व ज्ञान में भी वृद्धि होती है। इस तरह के प्रयोग हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों के मन में प्रेम व रुचि पैदा करने में सहायक सिद्ध होंगे। यह पुस्तिका विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ ही शिक्षा के नए मानक तय करते हुए पग-पग पर उनका पथप्रदर्शन करेगी। पुस्तिका की विविध विशेषताओं की विवेचना आगे के कुछ पृष्ठों पर विस्तारित रूप से की गई है।

शैक्षणिक वर्ष की समुचित तैयारी हेतु निर्मित गागर में सागर यह पुस्तिका आप सभी सुधीजनों के हाथों में सौंपते हुए हमें अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी।

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: तृतीय

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए सभी अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल है: **mail@targetpublications.org**

Sample Content

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'हिंदी युवकभारती; प्रथमावृत्ति; पुनर्मुद्रण: २०२२' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

विशेषताएँ

शब्दार्थ / मुहावरे

पाठ में आए कठिन शब्दों के सरल हिंदी व अंग्रेजी अर्थ दिए गए हैं। इसके साथ ही पाठ में आए मुहावरों का अर्थ सहित समावेश किया गया है।

भावार्थ / सरल अर्थ

कविताओं को सरलता से समझने के लिए उनके सरल अर्थ दिए गए हैं।

पाठ का परिच्छेद / पद्यांश में विभाजन

प्रत्येक पाठ का परिच्छेद / पद्यांश में विभाजन कर उन पर आधारित कृतियों का समावेश किया गया है।

पाठ पर आधारित कृतियाँ व लघूत्तरी प्रश्न

संपूर्ण पाठ पर आधारित कृतियों व लघूत्तरी प्रश्नों को इस विशेष विभाग में समाहित किया गया है।

रसास्वादन

प्रत्येक पद्य में मुद्दों के साथ ही पूर्ण कविता पर आधारित रसास्वादन की कृतियों का समावेश किया गया है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

साहित्य संबंधी पूछी गईं कृतियाँ इस विभाग में शामिल की गई हैं।

व्याकरण

प्रत्येक गद्य व पद्य में व्याकरण के विभिन्न घटकों को समाहित किया गया है। इसके अलावा भाषा अध्ययन (व्याकरण) का अलग विभाग दिया गया है। जिसमें सभी घटकों का विस्तारित विवेचन व उदाहरण सहित वर्णन किया गया है। इसके साथ ही पारिभाषिक शब्दावली को इस विभाग में शामिल किया गया है।

अपठित गद्यांश

इस विभाग में अपठित गद्यांशों का अधिकाधिक कृतियों सहित समावेश किया गया है।

आओ जानें

पाठ में आए विभिन्न ज्ञानवर्धक मुद्दों का सविस्तार वर्णन इस विशेष विभाग में किया गया है।

बोर्ड कृतिपत्रिकाएँ

मार्च २०२२ की बोर्ड परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों का उनसे संबंधित पाठों में उत्तरों सहित समावेश किया गया है। इसके साथ ही फरवरी २०२३ की बोर्ड कृतिपत्रिका को शामिल कर Q. R. Code के माध्यम से उसकी उत्तरपत्रिका दी गई है।

खेल-खेल में

पाठ के अंत में बौद्धिक क्षमता के विकास हेतु रोचक कृतियाँ उत्तर सहित शामिल की गई हैं।

Sample Content

कृतिपत्रिका प्रारूप

विभाग १ – गद्य - अंक - २०

कृति १ (अ) परिच्छेद लगभग १८० से २०० शब्दों में **(०६)**

१. आकलन कृति (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

२. शब्द संपदा (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

३. अभिव्यक्ति (४० से ५० शब्दों में) ०२

(आ) परिच्छेद लगभग १८० से २०० शब्दों में **(०६)**

१. आकलन कृति (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

२. शब्द संपदा (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

३. अभिव्यक्ति (४० से ५० शब्दों में) ०२

(इ) लघूत्तरी – उत्तर ६० से ८० शब्दों में **(०६)**

(तीन में से दो)

(ई) एक वाक्य में उत्तर (चार में से दो) **(०२)**

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर

विभाग २ – पद्य - अंक - २०

कृति २ (अ) पद्यांश लगभग ८ से १२ पंक्तियों में **(०६)**

१. आकलन कृति (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

२. शब्द संपदा (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

३. अभिव्यक्ति (४० से ५० शब्दों में) ०२

(आ) पद्यांश लगभग ८ से १२ पंक्तियों में **(०६)**

१. आकलन कृति (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

२. शब्द संपदा (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

३. अभिव्यक्ति (४० से ५० शब्दों में) ०२

(इ) रसास्वादन कीजिए (१०० से १२० शब्दों में) **(०६)**

(दो में से एक)

(ई) एक वाक्य में उत्तर (चार में से दो) **(०२)**

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर

विभाग ३ – विशेष अध्ययन - अंक - १०

कृति ३ (अ) पद्यांश लगभग ८ से १२ पंक्तियों में **(०६)**

१. आकलन कृति (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

२. शब्द संपदा (चार घटक, आधा अंक प्रत्येक के लिए) ०२

३. अभिव्यक्ति (४० से ५० शब्दों में) ०२

(आ) लघूत्तरी – उत्तर ८० से १०० शब्दों में **(०४)**

(दो में से एक)

Sample Content

विभाग ४ – व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश, पारिभाषिक शब्दावली - अंक - २०

कृति ४ (अ) दीर्घोत्तरी-उत्तर १०० से १२० शब्दों में **(०६)**

अथवा

परिच्छेद लगभग १८० से २०० शब्दों में

१. आकलन कृति ०२

२. शब्द संपदा ०२

३. अभिव्यक्ति ०२

(आ) लघूत्तरीय दो में से एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। **(०४)**

अथवा

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

(व्यावहारिक हिंदी के पाठ पर आधारित)

(इ) अपठित परिच्छेद लगभग १८० से २०० शब्दों में **(०६)**

१. आकलन कृति ०२

२. शब्द संपदा ०२

३. अभिव्यक्ति ०२

(ई) पारिभाषिक शब्दावली (आठ में से चार) **(०४)**

विभाग ५ – व्याकरण - अंक - १०

कृति ५ (अ) काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। ०२

(चार में से दो)

(आ) अलंकार (पहचानना चार में से दो) ०२

(इ) रस (पहचानना चार में से दो) ०२

(ई) मुहावरों का अर्थ लिखकार वाक्य में प्रयोग कीजिए। (चार में से दो) ०२

(उ) वाक्य शुद्धीकरण करके वाक्य फिर से लिखिए। (चार में से दो) ०२

आवश्यक सूचनाएँ -

(१) कृतिपत्रिका में गद्य विभाग कृति (ई) तथा पद्य विभाग कृति (ई) की कृतियाँ पाठ्यपुस्तक के स्वाध्याय से लेना अनिवार्य है।

(२) कृतिपत्रिका में पारिभाषिक शब्दावली के शब्द बारहवीं युवकभारती पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ १०९ और ११० से लेना अनिवार्य है।

(३) कृतिपत्रिका में व्याकरण विभाग की सभी कृतियों के उदाहरण, वाक्य पाठ्यपुस्तक से लेना अनिवार्य है।

(काल परिवर्तन, अलंकार, रस, वाक्य शुद्धीकरण, मुहावरों आदि के लिए)

Sample Content

अंक विभाजन

घटक निहाय अंक विभाजन

अ. न.	विभाग (घटक)	अंक	प्रतिशत	विकल्प
१.	गद्य	२०	२५%	**२५**
२.	पद्य	२०	२५%	**२८**
३.	विशेष अध्ययन	१०	१२.५%	**१४**
४.	व्यावहारिक हिंदी व अपठित गद्यांश	२०	२५%	**३८**
५.	व्याकरण	१०	१२.५%	**२०**
	कुल अंक	८०	१००%	**१२५**

विधा और कृति प्रकार के अनुरूप

कृति क्र.	विधा		प्रकार		
		वस्तुनिष्ठ	लघूत्तरी	दीर्घोत्तरी	पूर्ण अंक
१.	गद्य	१०	१०	-	२०
२.	पद्य	१०	०४	०६	२०
३.	विशेष अध्ययन	०४	०६	-	१०
४.	व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश व पारिभाषिक शब्दावली	०८	०६	०६	२०
५.	व्याकरण	१०	-	-	१०
	कुल अंक	**४२**	**२६**	**१२**	**८०**

अंक विभाजन कृति प्रकार के अनुरूप

अ. नं	कृति प्रकार	अंक	प्रतिशत	विकल्प के साथ	प्रतिशत
१.	वस्तुनिष्ठ	४२	५२.५%	६८	५४.४०%
२.	लघूत्तरी	२६	३२.५%	३९	३१.२०%
३.	दीर्घोत्तरी	१२	१५%	१८	१४.४०%
	कुल अंक	८०	१००%	**१२५**	१००%

उद्देश्यों के अनुरूप अंक विभाजन

अ. नं	उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
१.	ज्ञान	२१	२६.२५%
२.	आकलन	२५	३१.२५%
३.	उपयोजन	२४	३०.००%
४.	कौशल	१०	१२.५०%
	कुल अंक	८०	१००%

Sample Content

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	रचनाकार	पृष्ठ
१.	नवनिर्माण	त्रिलोचन	१
२.	निराला भाई	महादेवी वर्मा	६
३.	सच हम नहीं; सच तुम नहीं	डॉ. जगदीश गुप्त	१८
४.	आदर्श बदला	सुदर्शन	२३
५.	(अ) गुरुबानी	गुरुनानक	३५
	(आ) वृंद के दोहे	वृंद	४०
६.	पाप के चार हथियार	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	४५
७.	पेड़ होने का अर्थ	डॉ. मुकेश गौतम	५२
८.	सुनो किशोरी	आशारानी व्होरा	५८
९.	चुनिंदा शेर	कैलाश सेंगर	६६
१०.	ओजोन विघटन का संकट	डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र	७१
११.	कोखजाया	मूल लेखक – श्याम दरिहरे अनुवादक – बैद्यनाथ झा	८०
१२.	लोकगीत *सुनु रे सखिया *कजरी		९०
•	अपठित गद्यांश		९६
	विशेष अध्ययन हेतु		
१३.	कनुप्रिया	डॉ. धर्मवीर भारती	१०१
	व्यावहारिक हिंदी		
१४.	पल्लवन	डॉ. दयानंद तिवारी	११२
१५.	फीचर लेखन	डॉ. बीना शर्मा	१२२
१६.	मैं उद्घोषक	आनंद सिंह	१३३
१७.	ब्लॉग लेखन	प्रवीण बर्दापूरकर	१४४
१८.	प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीव	डॉ. परशुराम शुक्ल	१५२
	भाषा अध्ययन (व्याकरण)		
१.	काल		१६३-१७२
२.	अलंकार		
३.	रस		
४.	मुहावरे		
५.	वाक्य शुद्धीकरण		
६.	पारिभाषिक शब्दावली		
•	बोर्ड कृतिपत्रिका: फरवरी 2023 (Q. R. Code के माध्यम से उत्तरपत्रिका)		१७३

सूचना: पाठ में दी गई कृतियों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

बोर्ड परीक्षा की संपूर्ण तैयारी हेतु टार्गेट के **"हिंदी युवकभारती Model Question Paper Set With Solutions: Std. XII"** पुस्तक का अधिकाधिक अभ्यास करें। अधिक जानकारी हेतु दिए गए QR Code को स्कैन करें।

Sample Content

Sample Content

०९ नवनिर्माण

- त्रिलोचन (जन्म-१९१७, मृत्यु-२००७)

परिचय

कवि परिचय

त्रिलोचन जी का असली नाम वासुदेव सिंह है। इनका जन्म उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के कटघरा चिरानी पट्टी में हुआ था। इन्हें हिंदी के साथ ही अरबी और फारसी का अच्छा ज्ञान था। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी ये बहुत सक्रिय रहे। इनकी साहित्यिक भाषा लोकभाषा से प्रेरित है। इनके साहित्य की भाषा समृद्ध, सरल और सहज है।

प्रमुख कृतियाँ

धरती, दिगंत, गुलाब और बुलबुल, उस जनपद का कवि हूँ, सबका अपना आकाश (कविता-संग्रह), देशकाल (कहानी-संग्रह), दैनंदिनी (डायरी) आदि।

विधा परिचय

'चतुष्पदी' चार चरणोंवाला छंद होता है। चौपाई की तरह इसमें चार चरण होते हैं। इसके पहले-दूसरे और तीसरे-चौथे चरण में तुकबंदी होती है। भाव व विचार की दृष्टि से प्रत्येक चतुष्पदी अपने आप में पूर्ण होती है।

पाठ परिचय

यहाँ कवि ने आशावाद को दर्शाया है। उन्होंने जीवन में संघर्ष करने, कमजोरों की ताकत बनने और समाज में व्याप्त सभी प्रकार की बुराइयों को दूर करते हुए एकसाथ समाज का नवनिर्माण करने का संदेश दिया है।

शब्द संसार

शब्दार्थ

अतीत	बीता हुआ (past)
उच्छ्वास	छोड़ी जाने वाली साँस (exhale)
गीति	गीत (song)
नीति	सदाचार (virtue, morality)
न्याय	इंसाफ (justice)
पीड़ित	जो पीड़ा में हो (victim)
प्रीति	प्रेम (love)
भूमि	धरती (earth)
मीत	मित्र, दोस्त (friend)
व्योम	आकाश, अंबर (sky)
शिखर	पहाड़, पर्वत (peak)
संकट	मुसीबत, आफत (problem)
सहचर	साथ-साथ चलने वाला, मित्र (friend)
सिद्धि	सफलता (success)

भावार्थ / सरल अर्थ

१. **तुमने विश्वास दिया ..... दिया है मुझको।**

अर्थ: कवि ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहते हैं कि उन्हें पूरे विश्वास के साथ इस धरती पर भेजा गया है। वे धरती पर रहते हुए उस विश्वास को कभी टूटने नहीं देंगे, क्योंकि ईश्वर ने ही उन्हें आकाश अर्थात यह पूरा संसार दिया है।

२. **सूत्र यह तोड़ नहीं ..... छोड़ नहीं सकते हैं।**

अर्थ: कवि कहते हैं कि विश्वास का यह संबंध तोड़ा नहीं जा सकता है और यदि यह टूट जाता है, तो इसे जोड़ा नहीं जा सकता है। हम ऊँचे आसमान में भी पहुँच जाए, लेकिन जो रिश्ता इस धरती अर्थात लोगों से जुड़ा है, उसे छोड़ नहीं सकते हैं। हमें अंततः अपनी सच्चाई को स्वीकार करना ही पड़ता है।

३. **सत्य है, राह में ..... सामने अँधेरा है।**

अर्थ: कवि कहते हैं कि यह सच है कि जीवन की राह में कई बार अँधेरा अर्थात दुख मिलता है, वह तुम्हें घेरकर रोकना चाहता है। इस कारण तुम मजबूर हो जाते हो और कुछ नहीं कर सकते हो। ऐसे में एक ही विकल्प बचता है कि उस अँधेरे की ओर हिम्मत से आगे बढ़ो और उसे दूर करो।

४. **बल नहीं होता ..... दिलाने के लिए।**

अर्थ: कवि कहते हैं कि ताकत किसी को दुख देने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की परेशानी दूर करने के लिए मिलती है। अतः यदि किसी को ताकत मिली है तो उसे लोगों की ताकत बनकर जरूरतमंदों को न्याय दिलाना चाहिए।

५. **जिसको मंजिल का ..... वही कहता है।**

अर्थ: कवि कहते हैं कि जो अपनी मंजिल और उसके महत्त्व को जानता है, वही राह में आने वाले संकटों से लड़ सकता है। संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही एक दिन सफलता के शिखर पर पहुँचता है और इतिहास उसकी कहानी कहता है।

६. **प्रीति की राह पर ..... पर चले आओ।**

अर्थ: कवि कहते हैं कि प्रेम और नीति की राह पर चलो। यह राह किसी एक की नहीं, बल्कि सभी के लिए है। अतः सभी के साथ अच्छा व्यवहार और प्यार करना चाहिए।

Sample Content

७. साथ निकलेंगे .... समाज नर-नारी।

अर्थ: कवि कहते हैं कि नर और नारी दोनों समान हैं। वे दोनों एक साथ संघर्ष की राह पर आगे बढ़ेंगे। दोनों एक-दूसरे के साथी हैं और एक साथ ही आगे बढ़ते हैं। वे ऐसे समाज का निर्माण करेंगे, जिसमें नर-नारी दोनों समान हों।

८. वर्तमान बोला, ... गीत अच्छा था।

अर्थ: कवि कहते हैं कि वर्तमान की परिस्थितियों को देखकर ऐसा लगता है कि अतीत अर्थात हमारा भूत काल ही अच्छा था। उस समय साथ निभानेवाले सच्चे दोस्त थे। एक दिन यह समय बीत जाएगा और आज जो वर्तमान है वह भी भूत काल बन जाएगा। उस समय का वर्तमान जो आज भविष्य है, वह भी आज की तरह अपने अतीत का गुणगान करेगा।

पद्यांश १

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक १-२ पर दी गई पंक्तियाँ १ से १६ तक
[तुमने विश्वास दिया ....
.... न्याय दिलाने के लिए।]

निर्देश: यहाँ पद्यांश की पंक्तियों को पूरा न देते हुए उसके आरंभ और अंत के शब्द संकेत के लिए दिए गए हैं। विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक से इन पंक्तियों को पढ़ें। ज्ञात हो कि परीक्षा में पद्यांश की पूरी पंक्तियाँ दी जाएँगी, जिसके आधार पर कृतियों के उत्तर लिखने होंगे।

कृति १ – आकलन

कृ.१. कृति पूर्ण कीजिए:

मुझको दिया है
☐ ☐

उत्तर: १. विश्वास २. मन का उच्छ्वास

निर्देश: इस कृति के उत्तर का एक अन्य विकल्प निम्नलिखित है:
आकाश

कृ.२. आकृति पूर्ण कीजिए:

यह तोड़ नहीं सकते हैं – १
यह छोड़ नहीं सकते हैं – २

उत्तर: १. सूत्र २. भूमि

***कृ.३. कृति पूर्ण कीजिए:**

बल इसके लिए होता है
☐ ☐

उत्तर: १. पीड़ित को बचाने के लिए
२. न्याय दिलाने के लिए

निर्देश: इस कृति के उत्तर का एक अन्य विकल्प निम्नलिखित है:
सबका बल बनने के लिए

कृ.४. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों:

१. भूमि २. अँधेरा

उत्तर: १. व्योम में उड़ जाने के बाद भी किसे छोड़ नहीं सकते हैं?
२. हमें रोकने के लिए राह में क्या है?

कृति २ – शब्द संपदा

कृ.१. निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए हुए विलोम शब्द लिखिए:

१. अविश्वास २. जोड़
३. असत्य ४. उजाला

उत्तर: १. विश्वास २. तोड़
३. सत्य ४. अँधेरा

कृ.२. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्गयुक्त शब्द तैयार कर उनका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:

१. मन २. सत्य *३. बल

उत्तर: १. बेमन – अंजना ने बेमन से भोजन की तैयारी शुरू की।
२. असत्य – अर्चना कभी असत्य नहीं बोलती है।
३. सबल – सबल व्यक्ति को सभी का बल बनना चाहिए।

कृ.३. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए:

१. भूमि २. व्योम
३. अँधेरा ४. न्याय

उत्तर: १. स्त्रीलिंग २. पुल्लिंग
३. पुल्लिंग ४. पुल्लिंग

कृति ३ – अभिव्यक्ति

***कृ.१. 'धरती से जुड़ा रहकर ही मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है', इस विषय पर अपना मत प्रकट कीजिए।**

उत्तर: धरती से जुड़ा होने का अर्थ होता है अपनी योग्यता और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना। ऐसा व्यक्ति अपना लक्ष्य अर्थात उसे जीवन में क्या चाहिए, इस बात का

Sample Content

निर्णय बहुत सोच-समझकर लेता है। वह बड़े-बड़े सपने देखने के बजाय अपनी क्षमता को ध्यान में रखते हुए ही जीवन में आगे कदम बढ़ता है। वह संघर्ष से डरता नहीं है, बल्कि उसे ध्यान में रखते हुए उस पर विजय प्राप्त करने का रास्ता खोज ही लेता है। इसी कारण यह कहा जाता है कि धरती से जुड़ा रहकर ही मनुष्य अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकता है।

कृ.२. 'आत्मविश्वास ही मनुष्य की सफलता की कुँजी है', इस कथन के बारे में ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

उत्तर: आत्मविश्वास का अर्थ होता है आत्मशक्ति। यह शक्ति मनुष्य के विचारों में होती है और विचारों का असर मनुष्य के कार्यों पर पड़ता है। अपनी योग्यता और शक्ति को पहचानने के लिए मनुष्य में आत्मविश्वास होना जरूरी है। जिस मनुष्य में आत्मविश्वास होता है, वह जीवन में आनेवाली किसी भी विपत्ति का पूरी हिम्मत और बुद्धिमानी से सामना करता है। वह जीवन में संघर्ष से नहीं डरता और सफलता हासिल करते हुए आगे बढ़ता जाता है। इसी कारण यह कहा जाता है कि आत्मविश्वास ही मनुष्य की सफलता की कुँजी है।

पद्यांश २

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक २ पर दी गई पंक्तियाँ १७ से ३२ तक
[जिसको मंजिल का .....
..... गीत अच्छा था।]

कृति १ – आकलन

***कृ.१. कृति पूर्ण कीजिए:**

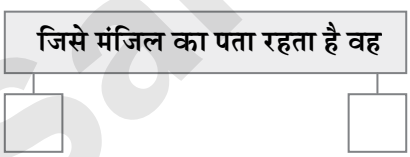

उत्तर: १. पथ के संकट को सहता है।
२. एक दिन सिद्धि के शिखर पर बैठकर अपना इतिहास कहता है।

कृ.२. आकृति पूर्ण कीजिए:

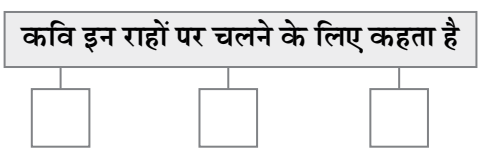

उत्तर: १. प्रीति २. नीति ३. गीति

कृ.३. आकृति पूर्ण कीजिए:

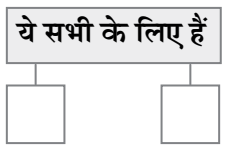

उत्तर: १. प्रीति की राह २. नीति की राह

कृ.४. आकृति पूर्ण कीजिए:

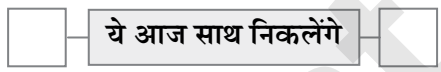

उत्तर: १. नर २. नारी

कृ.५. आकृति पूर्ण कीजिए:

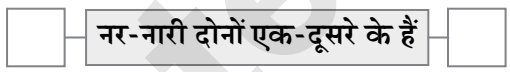

उत्तर: १. संगी २. सहचर

कृ.६. आकृति पूर्ण कीजिए:

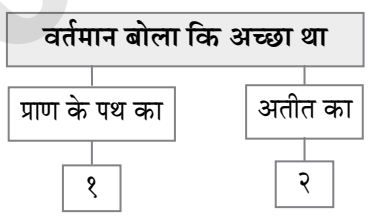

उत्तर: १. मीत २. गीत

कृ.७. आकृति पूर्ण कीजिए:

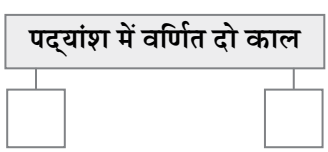

उत्तर: १. वर्तमान २. भविष्य

कृ.८. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य-असत्य पहचानकर असत्य विधानों को सत्य करके पुन: लिखिए:

१. अनीति की राह सबकी है।
२. आज नर-नारी दोनों काँटों का ताज साथ में पहनेंगे।
३. भविष्य कह रहा है कि अतीत अच्छा था।
४. अतीत का गीत बुरा था।

उत्तर: १. असत्य; नीति की राह सबकी है।
२. सत्य
३. असत्य; वर्तमान कह रहा है कि अतीत अच्छा था।
४. असत्य; अतीत का गीत भी अच्छा था।

Sample Content

कृति २ – शब्द संपदा

कृ.१. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्गयुक्त शब्द तैयार कर उनका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए:

१. पता *२. नीति
३. ताज ४. संगी

उत्तर: १. लापता – अनुज का कुत्ता लापता हो गया है।
२. अनीति – हमें अनीति के मार्ग पर नहीं चलना चाहिए।
३. बेताज – सिंह जंगल का बेताज बादशाह है।
४. कुसंगी – व्यक्ति को कुसंगी नहीं होना चाहिए।

कृ.२. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए:

१. दिन २. आज
३. काँटा ४. अच्छा

उत्तर: १. रात २. कल
३. फूल ४. बुरा

कृति ३ – अभिव्यक्ति

***कृ.१. 'समाज का नवनिर्माण और विकास नर-नारी के सहयोग से ही संभव है', इसपर अपने विचार लिखिए।**

उत्तर: नर-नारी दोनों समाज के प्रमुख घटक हैं। दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं। अत: किसी एक के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। हमारा समाज पुरुष प्रधान है। फिर भी स्त्रियाँ किसी भी मामले में पुरुषों से कम नहीं हैं। महिलाएँ घर की देखरेख करने के साथ ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय सभी क्षेत्रों में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि यदि उन्हें मौका मिले तो वे हर क्षेत्र में अपना योगदान दे सकती हैं। यदि नर-नारी दोनों एक-दूसरे का सहयोग करें तो बड़ी आसानी से किसी भी समाज का नवनिर्माण और विकास संभव है।

रसास्वादन

कृ.१. निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर चतुष्पदियों का रसास्वादन कीजिए:

१. रचना का शीर्षक
*२. रचनाकार का नाम
*३. कविता का केंद्रीय भाव/कविता की केंद्रीय कल्पना
४. रस/अलंकार
५. प्रतीक विधान
६. कल्पना
*७. पसंद की पंक्तियाँ
*८. पसंद आने के कारण

उत्तर:

१. नवनिर्माण
*२. त्रिलोचन (वासुदेव सिंह)
*३. यहाँ कवि ने संघर्ष करने, पीड़ितों को न्याय दिलाने, एक-दूसरे से प्रेम करने, लिंग भेद को खत्म करने आदि का संदेश बहुत ही सहज व प्रभावी ढंग से दिया है।
४. —
५. **आकाश** – पूरा संसार, **काँटों का ताज** – संघर्ष की राह
६. जीवन में आशावाद को स्थान मिले और बुराइयों से मुक्त नए समाज का निर्माण हो।
*७. बल नहीं होता सताने के लिए,
वह है पीड़ित को बचाने के लिए।
बल मिला है तो बल बनो सबके,
उठ पड़ो न्याय दिलाने के लिए।
*८. ये पंक्तियाँ मुझे इसलिए पसंद हैं, क्योंकि यहाँ कवि ने बल का सदुपयोग करने का अनमोल संदेश दिया है। उनके अनुसार बल का प्रयोग दूसरों को सताने के लिए नहीं, बल्कि पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया जाना चाहिए।

कृ.२. 'नवनिर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए।

उत्तर: त्रिलोचन जी का वास्तविक नाम वासुदेव सिंह है। उनके द्वारा रचित 'नवनिर्माण' नामक यह कविता 'चुनी हुई कविताएँ' नामक कविता-संग्रह से ली गई है। यह चार छंदों वाली 'चतुष्पदी' है।

यहाँ कवि ने संघर्ष करने, पीड़ितों को न्याय दिलाने, एक-दूसरे से प्रेम करने, लिंग भेद को खत्म करने, समाज में समानता-स्वतंत्रता-एकता स्थापित करने आदि का संदेश दिया है।

कवि ने मनुष्य के जीवन का उद्देश्य समझते हुए उसे पूर्ण करने पर बल दिया है। इसके साथ ही जीवन में विश्वास के महत्त्व को बतलाया है। कवि स्पष्ट करते हैं कि जीवन में दुख और सुख का क्रम निरंतर चलता रहता है। अत: दुख से घबराना नहीं चाहिए और न ही रुकना चाहिए। बल का सही उपयोग बताते हुए कवि कहते हैं कि बलवान मनुष्य का बल लोगों की सहायता करने के लिए होता है, न कि उन्हें दुख देने के लिए। जो व्यक्ति अपने बल का उपयोग परहित के लिए करता है, उसी का बलवान होना सार्थक है। मानवजाति को प्रेम व सद्भावना की राह पर चलने की प्रेरणा कवि ने अपनी इस कविता से दी है। उन्होंने समाज में लिंग भेद के खिलाफ आवाज उठाते हुए समझाया है कि नर-नारी दोनों सहचर हैं। उनके बीच भेदभाव उचित नहीं है। कवि ने यह भी संदेश दिया है कि इंसान को अपने भूत काल को भूलकर आगे अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

Sample Content

प्रस्तुत प्रत्येक चतुष्पदियों के प्रथम, द्वितीय व चतुर्थ पंक्तियों में लयात्मक शब्दों का बहुत ही सुंदर प्रयोग किया गया है, जिससे यह कविता गेय और श्रवणीय बन जाती है। कविता में सरल-सहज शब्दों का बहुत ही सुंदर ढंग से प्रयोग भी किया गया है, जिससे इसका प्रभाव और बढ़ जाता है। कविता की प्रत्येक चतुष्पदी अपने आप में पूर्ण है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

***अ. चतुष्पदी के लक्षण लिखिए।**

उत्तर: चतुष्पदी चार चरणोंवाला छंद होता है। चौपाई की तरह इसमें चार चरण होते हैं। इसके पहले-दूसरे और तीसरे-चौथे चरण में तुकबंदी होती है। भाव व विचार की दृष्टि से प्रत्येक चतुष्पदी अपने आप में पूर्ण होती है।

***आ. त्रिलोचन जी के दो काव्य संग्रहों के नाम–**

[मार्च २०२२]

उत्तर: त्रिलोचन जी के कुल पाँच काव्य संग्रह हैं:

१. धरती
२. दिगंत
३. गुलाब और बुलबुल
४. उस जनपद का कवि हूँ
५. सबका अपना आकाश

भाषा अध्ययन (व्याकरण)

कृ.१. निम्नलिखित वाक्यों का सूचनानुसार काल परिवर्तन कीजिए:

१. वहाँ अँधेरा हो गया है। (अपूर्ण वर्तमान काल)
२. प्रीति की राह पर चलो। (सामान्य भविष्य काल)
३. गीत मेरा भविष्य गाएगा। (अपूर्ण भूत काल)
४. भविष्य ने अपना इतिहास कहा। (सामान्य वर्तमान काल)

उत्तर:

१. वहाँ अँधेरा हो रहा है।
२. प्रीति की राह पर चलेंगे।
३. गीत मेरा भविष्य गा रहा था।
४. भविष्य अपना इतिहास कहता है।

कृ.२. निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए:

१. खोलो अपना मुख पंकज सखी,
देखो तेरा प्रिय तरणि आया है।
२. कोटि कुलिस-सम वचन तुम्हारा
व्यर्थ धरहु धनु बाण कुठारा।

उत्तर:

१. रूपक अलंकार २. उपमा अलंकार

कृ.३. निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उनके नाम लिखिए:

१. एक भरोसो एक बल, एक आस विश्वास।
एक राम घनश्याम हित, चातक तुलसीदास।
२. बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै, भौंहनु हँसे, देन कै नटि जाय।।

उत्तर:

१. भक्ति रस २. शृंगार रस

***कृ.४. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए:**

(पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक ४, कृ. ६)

उत्तर:

१. अतिथि आए हैं, घर में सामान नहीं है।
२. परंतु अज्ञान भी अपराध है।
३. उसके सत्य की पराजय हो जाती है।
४. प्रेरणा और ताकत बनकर परस्पर विकास में सहभागी बनें।
५. दिलीप अपने माँ-बाप की इकलौती संतान था।
६. शेष आप इस लिफाफे को खोलकर पढ़ लीजिए।
७. उसमें फूल बिछा दें।
८. कहाँ खो गई हैं आप?
९. मैं एक सफल सूत्र संचालक के रूप में प्रसिद्ध हो गया।
१०. चलते-चलते हमारे बीच की दूरी कम हो गई थी।

Sample Content

AVAILABLE NOTES FOR STD. XI & XII:

SCIENCE

Perfect Series:

For students who want to excel in board exams and simultaneously study for entrance exams.

- Physics Vol. I
- Physics Vol. II
- Chemistry Vol. I
- Chemistry Vol. II
- Mathematics & Statistics Part - I
- Mathematics & Statistics Part - II
- Biology Vol. I
- Biology Vol. II

Precise Series:

For students who want to excel in board exams.

- Physics
- Chemistry
- Biology

COMMERCE (ENG. & MAR. MED.)

Smart Notes:

- Book-Keeping and Accountancy
- Book Keeping and Accountancy (Practice)
- Economics
- Organisation of Commerce and Management
- Secretarial Practice
- Mathematics and Statistics - I
- Mathematics and Statistics - II
- Supplementary Questions (BK • ECO • OCM • SP)

ARTS (ENG. & MAR. MED.)

- History
- Geography
- Political Science
- Psychology
- Sociology

Languages:

- English Yuvakbharati
- Hindi Yuvakbharati
- Marathi Yuvakbharati

Additional Books for Std. XII Sci. & Com.:

- A collection of Board Questions (PCMB)
- A collection of Board Questions with solutions (PCMB)
- Solution to HSC Board Question Bank (Science)
- Solution to HSC Board Question Bank (Commerce)
- Supplementary Questions (BK • Eco • OCM • SP)
- HSC 30 Question Papers & Activity Sheets With Solutions (Commerce)
- HSC 25 Question Papers & Activity Sheets With Solutions (Science)
- Marathi Yuvakbharati Model Question Paper Set With Solutions
- Hindi Yuvakbharati Model Question Paper Set With Solutions

Books available for MHT-CET, NEET & JEE

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

OUR PRODUCT RANGE

Children Books | School Section | Junior College
Degree College | Entrance Exams | Stationery

Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080

Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Explore our range of STATIONERY